दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर
SOUTH CENTRAL ZONE CULTURAL CENTRE, NAGPUR
MINISTRY OF CULTURE, GOVT. OF INDIA

मध्य-दक्षिणी वार्तापत्र

{ अक्तुबर – 2018 }

 www.facebook.com/SCZCC/ www.twitter.com/SCZCC?lang=en www.instagram.com/sczcc.nagpur/

निदेशक का मनोगत

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में संचालक के तौर पर दिनांक 18 अप्रैल 2018 को मैंने कार्यभार संभाला। इसलिए मैं सर्वप्रथम महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल महोदय, केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्री - नई दिल्ली, तथा केंद्र के कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री इनका मैं हृदय से आभारी हूँ। मुझे अत्यंत हर्ष है की, महानिर्मिति इस संस्था में तकनीकी काम संभालने के पश्चात अब कला क्षेत्र में कार्य करने का मौका मुझे मिला है। इस मौके को भुनाने का मैं पूरा प्रयास करूँगा। इस केंद्र के अधीन इस समय महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, आँध्रप्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना ये ६ राज्य आते हैं, इस कारण काम और आशाएं भी अधिक हैं।

फिलहाल द. म. क्षे. सांस्कृतिक केंद्र में अनुभव सिद्ध कर्मचारी कार्यरत हैं। विगत कई वर्षों से यहाँ सेवारत होने से सबको कामकाज की सम्पूर्ण जानकारी है। मैंने सभी को आवाहन किया है कि, हम सब मिलजुलकर कार्य करेंगे एवं नागपुर के सांस्कृतिक वैभव में विशेष योगदान देंगे। सभी कर्मियों से मिलने वाला प्रतिसाद भी उत्साहवर्धक है।

सभी पारंपारिक एवं अप्रचलित कलाओं का पुनरुत्थान, आदिवासी नृत्य प्रकारों को प्रोत्साहन, महाराष्ट्र के पोवाड़ा - लावणी - भारुड़ - जोगवा - वाघ्या मुरळी - दंढार - झाड़ीपट्टी ऐसे सांस्कृतिक वैभव का दर्शन अन्य राज्यों को करवाना, तथा अन्य राज्यों के लुप्तप्राय हो रहे कलागुणों को महाराष्ट्र में बढ़ावा देने की मेरी मंशा हैं।

इसी प्रकार अभिजात भारतीय संगीत, नाट्यसंगीत, लोककला, चित्रकला, मूर्तिकला - पेंटिंग, छायाचित्रकला, उपशास्त्रीय गीतप्रकार इनका भी जतन होना चाहिए तथा स्थानीय कलाकारों को मंच उपलब्ध किया जाना चाहिए। गडचिरोली, बस्तर जैसे दुर्गम प्रदेश के कलाकारों को न्याय मिलना आवश्यक है। इस उद्देश्य से सबको कार्यवाही करनी चाहिए, ऐसा मेरा कार्यक्रम अधिकारियों को आवाहन है।

कलाक्षेत्र में काम करते हुए केंद्र के प्रत्येक कार्यक्रम में वृद्ध एवं वरिष्ठ कलाकारों का सम्मान, केंद्र की उत्तम वेबसाइट तैयार करना, केंद्र की जानकारी देनेवाली डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाना, केंद्र की पुरानी ईमारत का पुनर्निर्माण करना, फिलहाल केंद्र द्वारा आयोजित सभी लोकप्रिय कार्यक्रमों के स्तर में बेहतरी एवं संख्या में बढ़ोतरी करना तथा अनजान, उपेक्षित कलाकारों को प्रोत्साहन देना ऐसी विविधरूपी कार्यशैली विकसित करने का हमारा प्रयास रहेगा।

उच्च स्तर प्राप्त इस सांस्कृतिक केंद्र को राष्ट्रीय - अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलें इसे उद्देश्य से हम सभी हमेशा प्रयासरत रहेंगे। राष्ट्रनिर्माण में सांस्कृतिक क्षेत्र का महत्व अनन्यसाधारण है। इसीलिए हम सबको इस सांस्कृतिक केंद्र का अभिन्न अंग होकर राष्ट्रनिर्माण के पवित्र कार्य में अपना योगदान देना हैं। इस हेतु सभी को मेरी हृदय से शुभकामनायें।

डॉ. दीपक खिरवड़कर
निदेशक,
दमक्षेसां. केंद्र, नागपुर

द.म.क्षे.सां. केंद्र द्वारा किये गए एवं संयुक्त सहभागिता के आयोजन तथा उनकी झलकियाँ

अक्तुबर - २०१८

1. 'आनंदम' - मासिक योग शिविर का आयोजन अक्तुबर माह के दौरान प्रतिदिन प्रातः ६:३० से ७:३० के बींच दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र मुख्यालय परिसर में किया गया। इस शिविर को नागरिकों द्वारा उत्तम प्रतिसाद मिल रहा है तथा योगकला का जतन भी हो रहा है।

❖ स्वरांजली – गीत नया गाता हूँ ❖

2 . दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर एवं राधागोविंद चैरिटेबल ट्रस्ट, दीनदयाल सहकारी प्रत्यय संस्था मर्या. नागपुर इनके संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 13 अक्तुबर 2018 को भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी की कविताओं पर आधारित सुश्राव्य गायन कार्यक्रम गीत नया गाता हूं एवं सुगम संगीत का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सुविख्यात गायिका पद्मश्री पद्मजा फेणाणी - जोगळेकर (मुंबई) ने अपने सुरों से समा बांधा। उन्होंने अटलजी की विख्यात कवितायें एवं सुगम संगीत का श्रोताओं समक्ष गायन किया। उन्हें सोनाली बोरकर ने संवादिनीपर, जयंत पवार ने कि-बोर्डपर एवं तबलेपर नागेश भोसेकर ने साथ दी। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर मा. नितिन गडकरी (केंद्रीय भूपृष्ठ परिवहन एवं जहाजराणी, गंगाशुद्धीकरण मंत्री), अतिथि के रूप में मा. चंद्रशेखर बावनकुळे (ऊर्जामंत्री, महाराष्ट्र सरकार), मा. विकास कुंभारे (विधायक, मध्य नागपुर), दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक डॉ. दीपक खिरवड़कर एवं प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में जितेंद्रनाथ महाराज (देवनाथ मठ, अंजनगांवसुर्जी), तथा श्री. श्रीपाद रिसालदार उपस्थित थे।

विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम
स्वरांजली
" गीत नया गाता हूँ "
व
सुगम संगीत

❖ ब्रह्मनाद – 'प्रथम पुष्प' ❖

3. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा बहुप्रतीक्षित एवं लोकप्रिय 'ब्रह्मनाद' कार्यक्रम की नियमित शृंखला अंतर्गत शीतकालीन सत्र की प्रथम कड़ी में 14 अक्तुबर 2018 को प्रातः 6:30 बजे से डॉ. कस्तूरी पायगुड़े – राणे (पुणे, महाराष्ट्र) का शास्त्रीय – उपशास्त्रीय गायन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्‌घाटन द.म.क्षे.सां. केंद्र के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर, उपनिदेशक मोहन पारखी, कार्यक्रम अधिकारी दीपक कुलकर्णी इनके शुभहस्ते हुआ। कार्यक्रम में सुविख्यात गायिका पद्मश्री पद्मजा फेणाणी-जोगळेकर भी उपस्थित थीं। सभी कलाकार एवं पद्मजा फेणाणी-जोगळेकर इनका स्वागत केंद्र निदेशक के द्वारा किया गया।

डॉ. कस्तूरी पायगुड़े – राणे इनका संक्षिप्त परिचय मंच संचालिका श्वेता शेलगांवकर ने दिया. डॉ. कस्तूरीने कार्यक्रम में अपने स्वर से रविवार की सुबह नादमाधुर्य से भर दी। उन्होने राग अहीर भैरव में 'रसिया म्हारो आओ जी' (विलंबित तीन ताल – मध्य लय) इस बंदिश से गायन से को शुरुवात की। इसके पश्चात उन्होंने 'पं. जगन्नाथ बुवा पुरोहित' (बंदिश एकताल), राग अल्हैया बिलावल (माई ते तेरी लकरी ले तेरी कमरी), 'जा जा रे जा कगवा रे', 'मन लागो यार फकीरी' में (निर्गुणी भजन), झुला (आओ सब सखियन), वैष्णव जन तो, रघुपति राघव राजाराम (गाँधी भजन), भैरवी तराना गाकर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। गणेश तनवाड़े तबलेपर, अदिति गराड़े संवादीनीपर एवं श्रद्धा भट तथा श्रेया पुराणिक ने तानपुरे पर साथसंगत की। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के सभी कार्यक्रम अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। इस प्रातःकालीन संगीत सभा में नागपुर शहर के इस प्रातःकालीन संगीत सभा में गणमान्य एवं रसिक श्रोता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

❖ ट्राइबल फ़ोल्क डांस फेस्टिवल – बेंगलुरु ❖

4. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर एवं इन्नोवेटिव फिल्म सिटी, बेंगलुरु इनके संयुक्त तत्वावधान में ट्राइबल फोल्क डांस फेस्टिवल का आयोजन दिनांक १३ से १५ अक्तुबर २०१८ के दौरान बेंगलुरु (कर्नाटक) में किया गया। इसमें थपेतागुल्लू नृत्य (आंध्र प्रदेश), काकसार नृत्य (छत्तीसगढ), राई नृत्य (मध्य प्रदेश), लावणी नृत्य (महाराष्ट्र), पूजा कुनिथा (कर्नाटक) आदि मनोरम प्रस्तुतियाँ का आनंद रसिकप्रेक्षकों ने आनंद उठाया। सम्पूर्ण कार्यक्रम में द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपुर के कार्यक्रम अधिकारी प्रेमस्वरूप तिवारी उपस्थित थे।

❖ 'युगंधर' – नाट्यमंचन ❖

5. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर एवं महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा ने संयुक्त तत्वावधान में दिनांक १५ अक्तुबर २०१८ को विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के अवसर पर दीपाली घोंगे द्वारा प्रस्तुत श्रीकृष्ण की जिवनी पर आधारित नाट्यकृति 'युगंधर' का मंचन हुआ। नाटक के सभी कलाकारों का स्वागत मा. कुलाधिपती प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी, मा.कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र - संयोजक के द्वारा किया गया। इस समय सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति (दीक्षांत समारोह) संयोजक डॉ. सतीश पावडे, सहसंयोजक डॉ. अप्रमेय मिश्र एवं द.म.क्षे.सां. केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर, कार्यक्रम अधिकारी दीपक कुलकर्णी भी उपस्थित थे।

"युगंधर" नाटक की संकल्पना तथा निर्देशन दीपाली घोंगे तथा लेखन डॉ. नंदिता साहू ने किया है। तथा गीत - केतन जोशी, संगीत - श्याम देशपांडे, नृत्य निर्देशन - रूही पांडे का है। इस नाट्यकृति में यशोदा की भूमिका में सोनाली वरटकर, नूपुर बड़गे (राधा), सारंग गुप्ता (उद्धव), मैथिली देशपांडे (रुक्मिणी), मयूरी टोंगळे (द्रौपदी), जय गाला (बलराम), दीपाली घोंगे (गांधारी), दीपा हटवार (मीरा), देवांगी भगत (बालकृष्ण), अपराजिता साहू(सखी), अर्चना देशपांडे(गोपी), निधि पुराणिक - अमृत हड़प (राधाकृष्ण नृत्य) एवं श्रीकृष्ण की प्रमुख भूमिका मे निखिल टोंगळे ने अभिनय किया। इस नाट्यप्रस्तुति ने रसिक श्रोताओं का मन मोह लिया एवं सभी कलाकारों के अभिनय की साथ ही नाटक के संगीत तथा प्रकाशयोजना की दर्शकों ने भरसक सराहना की।

❖ नृत्य वैभव - प्रथम दिवस ❖

6. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा दिनांक 19 एवं 20 अक्तुबर 2018 को आयोजित "नृत्य वैभव" (भारत के शास्त्रीय एवं लोकनृत्यों की प्रस्तुतियाँ) कार्यक्रम का उद्घाटन शुक्रवार दिनांक 19 अक्तुबर की श्याम को प्रमुख अतिथि विकास शिरपुरकर (पूर्व न्यायमूर्ति - सुप्रीम कोर्ट), वरिष्ठ नर्तक रमेश गोपन्ना बोडे एवं दशराज गोपन्ना बोडे इन मान्यवरों के शुभहस्ते दीपप्रज्वलन कर द.म.क्षे.सां. केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर, उपनिदेशक मोहन पारखी, कार्यक्रम समिति सदस्य कुणाल जैन-गडेकर, कार्यक्रम अधिकारी दीपक कुलकर्णी की उपस्थिति में हुआ। इसके उपरांत डॉ. खिरवड़कर ने उपस्थितों के समक्ष संक्षिप्त में अपने विचार रखे। केंद्र निदेशक एवं उपस्थित मान्यवरों द्वारा विकास शिरपुरकर (पूर्व न्यायमुर्ती - सुप्रीम कोर्ट), वरिष्ठ नर्तक रमेश गोपन्ना बोडे एवं दशराज गोपन्ना बोडे इनका शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया।

इसके उपरांत डॉ. मोहन बोडे, मयूरी राउत - सायली गणवीर इन्होने ओडिसी नृत्य की प्रस्तुती देकर कार्यक्रम का आगाज किया। इसके उपरांत ए. पि. निवेदीता ने कुचिपुड़ी तथा स्वाति भालेराव एवं समूह (कत्थक कला केंद्र, नागपुर) ने लोकनृत्य (आरती, गोंधळ, मंगलागौर, दिंडी, महिषासुर मर्दिनी नृत्य) की प्रस्तुतियाँ दी। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रेमलता तिवारी ने किया। कार्यक्रम का आनंद लेने भारी संख्या में रसिक श्रोता उपस्थित थे। सभीने कलाकारों द्वारा दी गयी नृत्य प्रस्तुतियों की भरसक सराहना की। कार्यक्रम में दमक्षेसां. केंद्र के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

नृत्य वैभव

नृत्य वैभव

नृत्य वैभव

❖ नृत्य वैभव - द्वितीय दिवस ❖

6. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा दिनांक 19 एवं 20 अक्तुबर 2018 को आयोजित नृत्य वैभव (भारत के शास्त्रीय एवं लोकनृत्यों की प्रस्तुतियाँ) कार्यक्रम की समापनीय संध्या का प्रारंभ दिनांक २० अक्तुबर को प्रमुख अतिथि डॉ. प्रतिभा आश्विन मुद्गल, डॉ. विलासिनी नायर (संचालिका – नायर एंड सन्स संस्थापक - नागपुर महिला क्लब) सत्कारमूर्ति मालिनी मेनन (वरिष्ठ शास्त्रीय नृत्यांगना) ललिता हरदास (वरिष्ठ कथ्थक नृत्यांगना) इनके शुभहस्ते एवं द.म.क्षे.सां. केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर, उपनिदेशक मोहन पारखी, कार्यक्रम अधिकारी दीपक कुलकर्णी इन मान्यवरों की उपस्थिति में हुआ। केंद्र निदेशक एवं प्रमुख अतिथियों द्वारा मालिनी मेनन एवं ललिता हरदास को शाल श्रीफल, सम्मानचिन्ह एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। बाद में श्रीमती माडखोलकर द्वारा भरतनाट्यम की प्रस्तुति से कार्यक्रम का आगाज हुआ। इसके उपरांत राधिका साठे ने एकल नृत्य से प्रारंभ कर अंत में अपनी शिष्याओं के साथ अभंग पर प्रस्तुति देकर रसिकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में किशोर हंपीहोळी एवं समूह (किशोर न्रृत्यनिकेतन, नागपुर) द्वारा लोकनृत्यों में बिहू नृत्य, होजागिरी नृत्य, मंगलागौर, हरियाणवी घुमर नृत्य की प्रस्तुतियों ने रसिक एवं दर्शकों की तालियाँ बटोरीं। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रेमलता तिवारी ने किया। कार्यक्रम आनंद उठाने भारी संख्या में रसिक प्रेक्षक उपस्थित थे। सभीने कलाकारों द्वारा दी गयी नृत्य प्रस्तुतियों की भरसक सराहना की। सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान दमक्षेसां. केंद्र के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस प्रकार से नृत्य वैभव कार्यक्रम का आयोजन सफल एवं लोकप्रिय रहा।

नृत्य वैभव

नृत्य वैभव

नृत्य वैभव

नृत्य वैभव

नृत्य वैभव

नृत्य वैभव

❖ द.म.क्षे.सां. केंद्र की वेबसाइट के नये प्रारूप का उद्घाटन एवं लोकार्पण ❖

7. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर की 'आधिकारिक वेबसाइट' www.sczcc.gov.in के नये प्रारूप एवं 'थीम गीत' का उद्घाटन एवं लोकार्पण कार्यक्रम दिनांक२१ अक्तुबर २०१८ को केंद्र परिसर के नीलकमल हॉल में आयोजित किया गया। मा. श्री. देवेंद्र फडणवीस (मुख्यमंत्री - महाराष्ट्र राज्य), मा. श्री. चंद्रशेखर बावनकुले (उर्जामंत्री – महाराष्ट्र राज्य) इनके शुभहस्ते एवं श्री. विकास महात्मे (राज्यसभा सांसद), श्री. सुधाकर देशमुख (विधायक – पश्चिम नागपुर), श्री. मल्लिकार्जुन रेड्डी (विधायक – रामटेक), द.म.क्षे.सां. केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवड़कर तथा अन्य मान्यवर अतिथियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवड़कर ने मुख्यमंत्री महोदय एवं अतिथियों को वेबसाइट की संकल्पना तथा संरचना के बारे में संक्षिप्त में जानकारी दी। संस्कृत में लिखा गया एवं विशेष रूप से बनाया गया दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र का नया “थीम गीत” भी इस दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं उपस्थित मान्यवरों को सुनाया गया। संस्कृत भाषा के विद्वान् अभ्यासक श्री. चंद्रगुप्त वर्णेकर जी ने इस गीत के बोल लिखें हैं एवं विख्यात गायक तथा संगीत संयोजक अमर कुलकर्णी, शैलेश दाणी इन्होने इस गीत को संगीतसाज चढ़ाया है। केंद्र की वेबसाइट हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध है तथा केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आनेवाले महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना के संगीत, लोकनृत्य, विभिन्न कलाओं की लिखित जानकारी एवं फोटोज वेबसाइट पर उपलब्ध है। वेबसाइट की नये स्वरुप की संरचना का कार्य विश्वेस्वरैया नॅशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नॉलोजी (व्हिएनआयटी) के डॉ. पराग देशपांडे एवं प्राध्यापक मीरा धाबू ने किया है। केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर द्वारा मुख्यमंत्री महोदय एवं ऊर्जामंत्री बावनकुळे को पुष्पगुच्छ एवं सम्मानचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समय द.म.क्षे.सां. केंद्र के उपनिदेशक मोहन पारखी, सभी कार्यक्रम अधिकारी, एवं कर्मचारी तथा नागरिक उपस्थित थे।

❖ स्वरांजली - ठुमरी का ठाठ ❖

8. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर एवं पंचम निषाद संगीत संस्थान, इंदौर (म. प्र.) इनके संयुक्त तत्वावधान में विदुषी गिरिजादेवी को समर्पित "स्वरांजली – ठुमरी का ठाठ" कार्यक्रम का आयोजन दिनांक २६ अक्तुबर २०१८ को इंदौर में किया गया। इस कार्यक्रम में सुश्री. सुनंदा शर्मा एवं श्रीमती शोभा चौधरी इन्होने साथी वाद्यवृन्दों के साथ गायन प्रस्तुति देकर दिवंगत गिरिजादेवी जी को स्वरांजली अर्पित की। उल्हास राजहंस (तबला), डॉ. विवेक बनसोड (संवादिनी), हितेंद्र दीक्षित (तबला). डॉ. रचना शर्मा (संवादिनी) एवं जगदीश बारोट (सारंगी) इन्होने सुनंदा शर्मा तथा शोभा चौधरी इन्हें साथसंगत की।

❖ ट्राइबल डांस फेस्टिवल (विजयवाडा) ❖

9. द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपुर तथा भाषा एवं संस्कृति विभाग, आंध्र प्रदेश शासन द्वारा दिनांक २७ से २९ अक्तुबर २०१८ के दौरान पुन्नामी घाट, विजयवाडा में 'ट्राइबल डांस फेस्टिवल' का आयोजन किया गया। इसमें बंजारा नृत्य, काकसार नृत्य, माथुरी नृत्य, पुर्वान्तिके नृत्य एवं सैला कर्मा नृत्य की प्रस्तुति हुयी। कार्यक्रम के उद्घाटन हेतु मुख्य अतिथि के रूप में दमक्षेसां. केंद्र, नागपुर के कार्यक्रम समिति के सदस्य कोंडापल्ली शेषागिरी मौजूद थे। तथा समापन दिवस पर भाषा एवं संस्कृति विभाग, आंध्र प्रदेश शासन के निदेशक विजय भास्कर उपस्थित थे। इस आयोजन के दौरान द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपुर के वरिष्ठ सहायक दीपक पाटिल उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को रसिक प्रेक्षकों ने खूब सराहा।

GOVERNMENT OF INDIA
SOUTH CENTRAL ZONE

GOVERNMENT OF INDIA
SOUTH CENTRAL ZONE
CULTURAL CENTRE

❖ आर्ट्स अँड म्यूजिक फेस्टिवल, जबलपुर ❖

10. द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपुर एवं इत्यादि आर्ट्स फ़ौंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आर्ट्स अँड म्यूजिक फेस्टिवल, का आयोजन जबलपुर में २८ से ३१ अक्तुबर, २०१८ के दौरान किया गया। इसमें केंद्र की ओर से ४ कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दी। दिनांक २८ अक्तुबर को बिकानेर के विख्यात सूफी गायक मीर मुख्तियार अली एवं साथियों ने अपने गायन की प्रस्तुति दी। दिनांक २९ अक्तुबर को भोपाल की विख्यात उपशास्त्रीय गायिका डॉ. नीना श्रीवास्तव इन्होने अपनी गायन प्रस्तुति दी। तीसरे दिन ३० अक्तुबर को मुंबई के विख्यात शास्त्रीय गायक पं. अजय पोहनकर एवं साथियों ने अपने गायन की प्रस्तुति दी। फेस्टिवल के अंतिम दिन ३१ अक्तुबर को बीबीसी के अहर्ताप्राप्त मुंबई के विख्यात सूफी गायक हरप्रीत ने अपने गायन प्रस्तुति देकर रसिकप्रेक्षकों को लुभाया।

❖ स्त्री महोत्सव ❖

11. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर तथा संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर एवं इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के संयुक्त तत्वावधान में दि. 30 एवं 31 अक्तूबर -2018 को इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के ऑडिटोरियम - 2 में प्रतिदिन शाम ५:३० बजे "स्त्री महोत्सव" का आयोजन हुआ। इस महोत्सव का उद्देश्य भारतवर्ष कि प्रतिभाशाली महिला कलाकारों कि कलाओं को उजागर करना तथा उनकी कला को जनमानस तक पहुँचाना था। महोत्सव का उद्‌घाटन डॉ. मांडवी सिंह (कुलपति - इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़) के करकमलों से दीपप्रज्वलन कर हुआ।

"स्त्री - महोत्सव" में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त महिला कलाकारों को निमंत्रित किया गया। दि. 30 अक्तूबर 2018 को श्रीमती चित्रांगना रेशवाल, इंदौर ने एकल पखावज वादन प्रस्तुत हुआ। उसके पश्चात श्रीमती मंजुषा पाटिल, पुणे का शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन गायन हुआ। दि. 31 अक्तूबर 2018 को श्रीमती सुचिस्मिता एवं देबोप्रिया, मुंबई इनकी बांसुरी जुगलबंदी की प्रस्तुति से कार्यक्रम की शुरुवात होकर समापन श्रीमती आशा खाडीलकर, मुंबई के शास्त्रीय तथा उपशास्त्रीय गायन से हुआ। कार्यक्रम के दौरान दमक्षेसां. केंद्र, नागपुर के वरिष्ठ सहायक शशांक दंडे उपस्थित थे।

❖ स्टॅच्यू ऑफ़ यूनिटी उद्घाटन ❖

12. लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 143 वीं जयंतीपर ३१ अक्तुबर २०१८ को प्रधानमंत्री मा. नरेंद्र मोदी ने गुजरात के नर्मदा जिला स्थित केवडिया ग्राम मे सरदार सरोवर डैम के समीप साधु बेट आइलैंड पर स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊँची गगनचुंबी धातुशिल्प प्रतिमा "Statue of Unity" का अनावरण किया। इस अवसर पर द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपुर की ओर से धनगरी गजा (महाराष्ट्र), पंथी नृत्य (छ.ग.) एवं मथुरी नृत्य (तेलंगाना) की रंगारंग प्रस्तुत कि गई। कार्यक्रम में द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपुर के कार्यक्रम अधिकारी प्रेमस्वरूप तिवारी उपस्थित थे। ायन से हुआ। कार्यक्रम के दौरान दमक्षेसां. केंद्र, नागपुर के वरिष्ठ सहायक शशांक दंडे उपस्थित थे।

◈ संकल्पना एवं मार्गदर्शन ◈

डॉ. दीपक खिरवडकर

(निदेशक, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपूर)

◈ लेखन एवं संरचना ◈

श्री. स्वप्नील बाळकृष्ण भोगेकर

(माध्यम एवं प्रसारण विभाग, द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपूर)

◈ फोटोग्राफी ◈

श्री. गजानन शेळके

(माध्यम व प्रसारण विभाग, द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपूर)

◈ मुखपृष्ठ एवं ग्राफ़िक्स डिजाईन ◈

श्री. मुकेश गणोरकर

(शारदा कंसल्टंसी सर्विसेस प्रा. लिमिटेड)